

## वर्ड स्मिथ

## टेलीविजन

टेलीविजन शब्द की उत्पत्ति भाषा और विज्ञान के अद्भुत मेल की कहानी है। 'टेलीविजन' शब्द दो अलग-अलग भाषाओं के शब्दों से मिलकर बना है। इसमें 'टेली' ग्रीक भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है 'दूर', जबकि 'विजन' लैटिन भाषा से आया है, जिसका अर्थ है 'देखना'। इस तरह 'टेलीविजन' का शाब्दिक अर्थ हुआ-दूर की वस्तुओं को देखना। 19 वीं और 20 वीं सदी के दौरान जब वैज्ञानिक संचार तकनीकों पर काम कर रहे थे, तब एक ऐसी मशीन की कल्पना की गई, जो दूर बैठे स्थानों के दृश्य को तुरंत दिखा सके। कई वैज्ञानिकों के प्रयासों के बाद यह तकनीक विकसित हुई और पहली बार चलती-फिरती तस्वीरों को दूर तक प्रसारित करना संभव हुआ। इस नई खोज के लिए ऐसा नाम चाहिए था, जो इसकी विशेषता को स्पष्ट करे, इसलिए 'टेलीविजन' शब्द चुना गया। धीरे-धीरे टेलीविजन हर घर का हिस्सा बन गया और सूचना, मनोरंजन तथा शिक्षा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा। आज भी यह शब्द हमें यह याद दिलाता है कि विज्ञान ने कैसे दूरी की सीमाओं को खत्म कर दुनिया को एक साथ जोड़ दिया है।



## अमृत विचार

## कैम्पस

आज के दौर में जब हर व्यवसाय अपनी पहचान तस्वीरों, वीडियो और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बनाता है, तब विजुअल आर्ट्स और फोटोग्राफी केवल शौक नहीं रह गए हैं। यह एक ऐसा पेशेवर क्षेत्र बन चुका है, जिसमें रचनात्मकता के साथ-साथ अच्छी आय और वैश्विक अवसर भी मौजूद हैं। 12 वीं के बाद करियर चुनने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए यह समझना जरूरी है कि फोटोग्राफी और विजुअल कम्युनिकेशन आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।



श्रेष्ठ गोयल  
डायरेक्टर  
आईआईपी एकेडमी

## बढ़ता बाजार और नए अवसर

भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहा है। हाल के उद्योग आकलनों के अनुसार 2024 में यह क्षेत्र लगभग 2.5 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच चुका है और इसमें डिजिटल मीडिया सबसे बड़ा सेगमेंट बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हर दिन भारी मात्रा में नए विजुअल कंटेंट की जरूरत होती है। इसी कारण फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, एडिटिंग और डिजाइन से जुड़े पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही क्रिएटर इकोनॉमी भी तेजी से विकसित हो रही है। लाखों कंटेंट क्रिएटर और डिजिटल ब्रांड्स के बढ़ने से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 2030 तक यह क्षेत्र ट्रिलियन-डॉलर से अधिक के उपभोक्ता बाजार को प्रभावित कर सकता है।



## बदलते दौर में विजुअल कंटेंट की बढ़ती जरूरत

आज हर कंपनी अपने उत्पाद या सेवा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रोडक्ट फोटोग्राफी, सोशल मीडिया रीलस, डिजिटल विज्ञापन, वेबसाइट विजुअल, कंटेंटिंग और ब्रांड स्टोरी टेलिंग का सहारा लेती है। डिजिटल इंडस्ट्रीयूट ऑफ फोटोग्राफी (IIP) के संस्थापक निदेशक राजेश गोयल कहते हैं, "फोटोग्राफी के बिना किसी उत्पाद या सेवा का प्रभावी विजुअल कम्युनिकेशन करना लगभग असंभव है।" दरअसल फोटोग्राफी केवल कैमरा चलाने का कौशल नहीं है। यह लाइटिंग, कंपोजिशन, विजुअल नैरेटिव और सौंदर्यबोध को विकसित करने की प्रक्रिया है, जो आगे चलकर फिल्म, विज्ञापन, डिजाइन और डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी होती है।

इंटर बाद के लिए उभरता करियर ऑप्शन  
विजुअल आर्ट्स और फोटोग्राफी

## सफलता की वास्तविकता

फोटोग्राफी में सफलता का कोई निश्चित प्रतिशत नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार असफलता का मुख्य कारण यह होता है कि कोई छात्र केवल कैमरा चलाना सीखते हैं, लेकिन पोर्टफोलियो निर्माण, क्लाइंट मैनेजमेंट, सही मूल्य निर्धारण और किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता विकसित नहीं कर पाते। जो छात्र मजबूत बुनियादी प्रशिक्षण, वास्तविक प्रोजेक्ट्स, मेंटरशिप और इंडस्ट्री अनुभव के साथ आगे बढ़ते हैं, उनके सफल होने की संभावना अधिक होती है।

## नई शिक्षा नीति और रचनात्मक शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) - 2020 में भी रचनात्मक शिक्षा और बहुविधक अध्ययन पर जोर दिया गया है। इस नीति का उद्देश्य छात्रों को कला, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक कौशल के साथ तैयार करना है। इस दृष्टि से देखा जाए, तो विजुअल आर्ट्स और फोटोग्राफी जैसे क्षेत्र अब केवल वैकल्पिक करियर नहीं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विकल्प बनते जा रहे हैं। संस्थान चुनते समय क्या देखें: किसी भी प्रशिक्षण संस्थान का चयन करते समय छात्रों और अभिभावकों को कुछ

महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिए। क्या वहां केवल कैमरा संचालन सिखाया जाता है या कॉन्सेप्ट और क्रिएटिव थिंकिंग भी विकसित की जाती है। क्या छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट्स और इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलता है। क्या संस्थान के पास पूर्व छात्रों का मजबूत नेटवर्क और उपलब्धियां हैं। क्या प्रशिक्षण में पोर्टफोलियो निर्माण, वॉलंटैरिटी और फ्रीलांसिंग की जानकारी दी जाती है।

## छात्रों के लिए चार

## सरल कदम

- विशेषज्ञों के अनुसार कक्षा-12 के बाद फोटोग्राफी में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को चार कदमों पर ध्यान देना चाहिए-
- अपना क्षेत्र चुनें- जैसे कमर्शियल, फैशन, डॉक्यूमेंट्री या फाइन आर्ट।
- मजबूत पोर्टफोलियो बनाएं- 12 से 20 अच्छी तस्वीरें, सैकड़ों साधारण तस्वीरों से बेहतर होती हैं।
- मेंटर्स से फीडबैक लें- सीखने के लिए पेशेवर मार्गदर्शन जरूरी है।
- कमाई का रास्ता बनाएं- इंटरशिप, असिस्टेंटशिप और फ्रीलांस प्रोजेक्ट्स से शुरुआत करें।



## बदलती सोच का समय

डिजिटल युग में तस्वीरें और विजुअल कंटेंट केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि व्यवसाय, संचार और ब्रांड निर्माण का शक्तिशाली माध्यम बन चुके हैं। ऐसे में यदि किसी छात्र में रचनात्मक दृष्टि, तकनीक सीखने की इच्छा और मेहनत करने का जज्बा है, तो विजुअल आर्ट्स और फोटोग्राफी उसके लिए एक सार्थक और संभावनाओं से भरा करियर साबित हो सकता है।

## नोटिस बोर्ड

## रोजगार मेला

24 मार्च को झांसी के बुंदेलखंड महाविद्यालय में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में झांसी, चित्रकूट और आगरा मंडल के युवाओं को मौका मिलेगा। रोजगार मेले से युवाओं को सीधे कंपनी से जुड़ने और अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। मेले में 100 से अधिक कंपनियां और नियोजक शामिल होंगे, जिसके तहत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना, आईटीआई और पॉलिटेक्निक से प्रशिक्षित युवाओं के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को भी रोजगार पाने का मौका मिल सकेगा।

## राहत भरी खबर

रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली से संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। वार्षिक प्रणाली के तहत संचालित स्नातक (बीए, बीएससी, बीकॉम) और परास्नातक (एमए, एमएससी, एमकॉम) द्वितीय वर्ष सहित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह के अनुसार, पहले यह तिथि 10 मार्च तक निर्धारित थी, लेकिन छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे अब 25 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक परीक्षा फार्म भरकर शुल्क जमा कर सकते हैं।

## कैम्पस का पहला दिन

ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज में मेरा पहला दिन, पहला दिन नहीं था, बल्कि मेरे उस सपने की पहली सीढ़ी थी, जिसे मैंने बचपन से अपनी आंखों में सजाया था- एक पत्रकार बनने का सपना। जब मैं ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज के परिसर में पहुंची, तो मेरे कदम थोड़े डगमगा रहे थे और दिल की धड़कनें तेज थीं। मन में कई सवाल थे- क्या मैं इस नई दुनिया में खुद को ढाल पाऊंगी? क्या मुझे अच्छे दोस्त मिलेंगे? क्या मैं अपने सपनों के इस सफर में सफल हो पाऊंगी?

ओरिएंटेशन और शुरुआती सत्र के दौरान जब हमारे शिक्षकों ने हमसे संवाद किया, तो पत्रकारिता को लेकर मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उन्होंने समझाया कि पत्रकारिता केवल माइक थामने या कैमरे के सामने खड़े होने का नाम नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति एक अटूट जिम्मेदारी है। सच को सामने लाना, लोगों की आवाज बनना और निष्पक्षता के साथ अपनी बात रखना ही एक



पूनम मौर्य  
हस्तानी

सच्चे पत्रकार की पहचान होती है। उनकी बातें सुनकर मेरे भीतर एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

पहली क्लास खत्म होने के बाद, जो झिझक मेरे मन में थी, वह धीरे-धीरे कम होने लगी। कॉलेज की कैमटीन और गलियारों में मेरी मुलाकात अपने सहपाठियों से हुई। हम सब अलग-अलग जगहों से आए थे, लेकिन हम सबके बीच एक बात समान थी, वो थी दुनिया को बदलने का जज्बा और कुछ नया सीखने की चाह। बातचीत के दौरान हम अपने-अपने सपनों और उम्मीदों को साझा करने लगे। बातों-बातों में कब अजनबी सहपाठी दोस्त बन गए, पता ही नहीं चला। उस अपनत्व ने मेरे मन का डर काफी हद तक दूर कर दिया। कॉलेज का माहौल, शिक्षकों का मार्गदर्शन और साथियों का सहयोग, इन सबने मेरे पहले दिन को यादगार बना दिया। हर कोना जैसे कुछ नया सिखाते



को तैयार था और हर चेहरा एक नई कहानी कह रहा था। मुझे यह महसूस होने लगा कि मैंने अपने जीवन की सही दिशा चुन ली है। शाम को जब मैं कॉलेज से घर के लिए निकली, तो मेरे पास केवल किताबों का बोझ नहीं था, बल्कि एक नई सोच, आत्मविश्वास और बड़े इरादे भी थे। ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज के उस पहले दिन ने मुझे यह सिखाया कि पत्रकारिता का रास्ता चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन यह सम्मान, जिम्मेदारी और समाज सेवा से भरा हुआ है।

## झिझक से आत्मविश्वास तक का सफर

## करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्रीस 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने कुल 208 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। तीन दिन तक चले इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया, जिसमें आठ देशों के 257 एथलीटों ने भाग लिया। भारतीय पैरा एथलीटों ने ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 75 स्वर्ण, 69 रजत और 64 कांस्य पदक जीते।
- हाल ही में यूनिवेलो ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी 16 मार्च 2026 को घोषित की गई, जो अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और भारतीय क्रिकेट स्टार के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग है।
- हाल ही में साउथ इंडियन बैंक ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सहयोग से नई इंटीग्रेटिड भुगतान सेवा शुरू की है। इस सेवा के माध्यम से नियोजता अब कर्मचारियों के भविष्य निधि अंशदान का भुगतान सीधे बैंक के इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म SIBerNet के जरिए कर सकेंगे, जिससे वैधानिक भुगतान अधिक तेज और सुविधाजनक हो जाएगा। इस पहल की घोषणा 12 मार्च 2026 को की गई, जो बैंक की डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- हाल ही में विश्व बैंक, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल को 'उत्तर प्रदेश वनीय एयर मैनेजमेंट प्रोग्राम' कहा जा रहा है, जिसमें 299.66 मिलियन डॉलर का निवेश शामिल है। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित उपायों के माध्यम से बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करना है।

## जॉब अलर्ट

## सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम- स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या- 275
- वेतन- 48480 - 120940 प्रति माह
- योग्यता- AICTE/UGC से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस/IT/ECE/ E&TC/इलेक्ट्रॉनिक्स में B.E./B.Tech या MCA
- आयु सीमा- स्केल I- अधिकतम 30 वर्ष, स्केल II/III- अधिकतम 35 वर्ष, स्केल IV- अधिकतम 45 वर्ष

अंतिम तिथि- 23 मार्च 2026

## रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (RRB)

- पद का नाम- असिस्टेंट लोको पायलट (ALP)
- पदों की संख्या- 11,127 (सभी रेलवे)
- विज्ञापन संख्या- CEN No. 01/2026
- वेतन- 7 वें CPC के अनुसार पे लेवल- 2/शुरुआती
- वेतन- 19,900/- प्रति माह
- योग्यता- विस्तृत CEN No. 01/2026 के अनुसार (पद- वार शैक्षिक योग्यता और मेडिकल स्टैंडर्ड)
- आयु सीमा- 18 से 30 वर्ष (दिनांक 01.07.2026 तक)
- आवेदन शुरू होने की तिथि- 15-05-2026
- अंतिम तिथि- 14-06-2026
- वेबसाइट- rrbapply.gov.in

## सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- पद का नाम- कॉन्स्टेबल (पशु चिकित्सा, ड्राइवर, ट्रेड्समैन और नर्सिंग अर्दली)
- श्रेणी- युव 'C' नॉन-गजेटेड (कॉम्बैटिण्ड), नॉन-मिनिस्ट्रीयल
- पदों की संख्या- 827 पद
- वेतन- लेवल- 3, 21,700-69,100 (7वां CPC)
- नौकरी का स्थान- भारत में कहीं भी / SSB की आवश्यकतानुसार भारत के बाहर भी
- आवेदन का तरीका- केवल ऑनलाइन
- चयन प्रक्रिया- PET, PST, लिखित परीक्षा, ट्रेड/कौशल परीक्षा, दस्तावेजीकरण और चिकित्सा परीक्षा

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की संवाहक और प्रगति का आधार होती है। आज जब दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति (Industry 4.0) के दौर से गुजर रही है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने मानव जीवन के हर पहलू को स्पर्श किया है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी बोली जाने वाली भाषा होने के नाते, हिंदी के लिए यह समय एक ऐतिहासिक मोड़ है। अक्सर यह कहा जाता है कि तकनीक भाषाओं को मिटा देगी, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। एआई ने हिंदी के लिए संभावनाओं के वे द्वार खोल दिए हैं, जो पहले बंद थे। आज हिंदी केवल साहित्य या बोलचाल तक सीमित नहीं है, यह डेटा, कोडिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था की भाषा बन रही है। एक हिंदी भाषी व्यक्ति तकनीक के इस युग में न केवल प्रासंगिक रह सकता है, बल्कि एआई को अपना हथियार बनाकर वैश्विक बाजार में रोजगार के नए और आकर्षक अवसर पैदा कर सकता है।

## एआई और हिंदी: रोजगार के नए क्षितिज



पू. मीना यादव  
हिंदी विभाग  
बरेली कॉलेज बरेली

हिंदी और एआई का संगम प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) वह तकनीक है, जिसने मशीनों को हिंदी व्याकरण, मुहावरे और शब्दावली समझने की शक्ति दी है। आज गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ओपन एआई (चैटजीपीटी) जैसे कंपनियां हिंदी डेटा पर अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं। हिंदी का विशाल डेटा सेट तैयार करना और उसे मशीनों के लिए सुलभ बनाना आज एक बड़ी आर्थिक गतिविधि बन चुका है।

## एआई के माध्यम से हिंदी में उभरते रोजगार के क्षेत्र

एआई ने हिंदी को सॉफ्ट स्किल से बदलकर एक तकनीकी स्किल में तब्दील कर दिया है। इसके अंतर्गत रोजगार के प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं।

## भाषा डेटा वैज्ञानिक और एनोटेटर

एआई मॉडल को सिखाने के लिए सटीक हिंदी डेटा की आवश्यकता होती है। हिंदी वाक्यों को व्याकरण के साथ टैग करना और भावनाओं की पहचान करना आज एक बड़ा करियर विकल्प है।

## प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

एआई टूल्स से सही काम करवाने की कला। विज्ञापन एजेंसियां और कंटेंट हाउस ऐसे विशेषज्ञों को खोज रहे हैं, जो एआई का उपयोग कर कम समय में सटीक हिंदी विज्ञापन, रिक्लट या रिपोर्ट तैयार कर सकें।

## वॉयस टेक्नोलॉजी और स्पीच रिकग्निशन

एलेक्सा और सिरी जैसे असिस्टेंट के लिए हिंदी वॉयस देना, उच्चारण सुधारना और मशीन को स्थानीय बोलियों का लहजा समझाना।

## चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट डेवलपर

बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हिंदी में बातचीत करने वाले चैटबॉट्स की रिक्लट लिखना और उन्हें सांस्कृतिक रूप से सही बनाना।

## अनुवाद और स्थानीयकरण 2.0

अब केवल अनुवाद नहीं, बल्कि 'मशीन ट्रांसलेशन पोस्ट-एडिटिंग' (MTPE) का दौर है। एआई द्वारा अनुवादित सामग्री की जांच करना और उसे मानवीय संवेदनाएं देना एक उच्च-भुगतान वाला कार्य बन गया है।

## तकनीकी कौशल और चुनौतियां

हिंदी को रोजगारपरक बनाने के लिए केवल भाषा का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। युवाओं को ChatGPT, Gemini और Canva AI जैसे टूल्स का कुशल उपयोग सीखना होगा।

## एआई हिंदी भाषा के लिए कोई चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर

एआई हिंदी भाषा के लिए कोई चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर है। यह भाषा और तकनीक के बीच की उस खाई को पाट रहा है, जिसने दशकों से हिंदी भाषियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रखा था। आज एक अनुवादक, लेखक या शिक्षक एआई की मदद से अपनी कार्यक्षमता को दस गुना बढ़ा सकता है। इस बदलाव का लाभ उठाने के लिए हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी। हमें हिंदी के प्रति भावुकता के साथ-साथ तकनीकी दक्षता को भी अपनाना होगा। यदि हम अपनी भाषाई जड़ों को मजबूती से थामे रखकर एआई जैसे आधुनिक उपकरणों का सही तालमेल बिटा लेते हैं, तो हिंदी न केवल भारत की अस्मिता बनी रहेगी, बल्कि आने वाले समय में दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार प्रदाता भाषा के रूप में भी स्थापित होगी। भविष्य उनका है, जो भाषा की गरिमा और तकनीक की गति, दोनों को साथ लेकर चलेगा।

